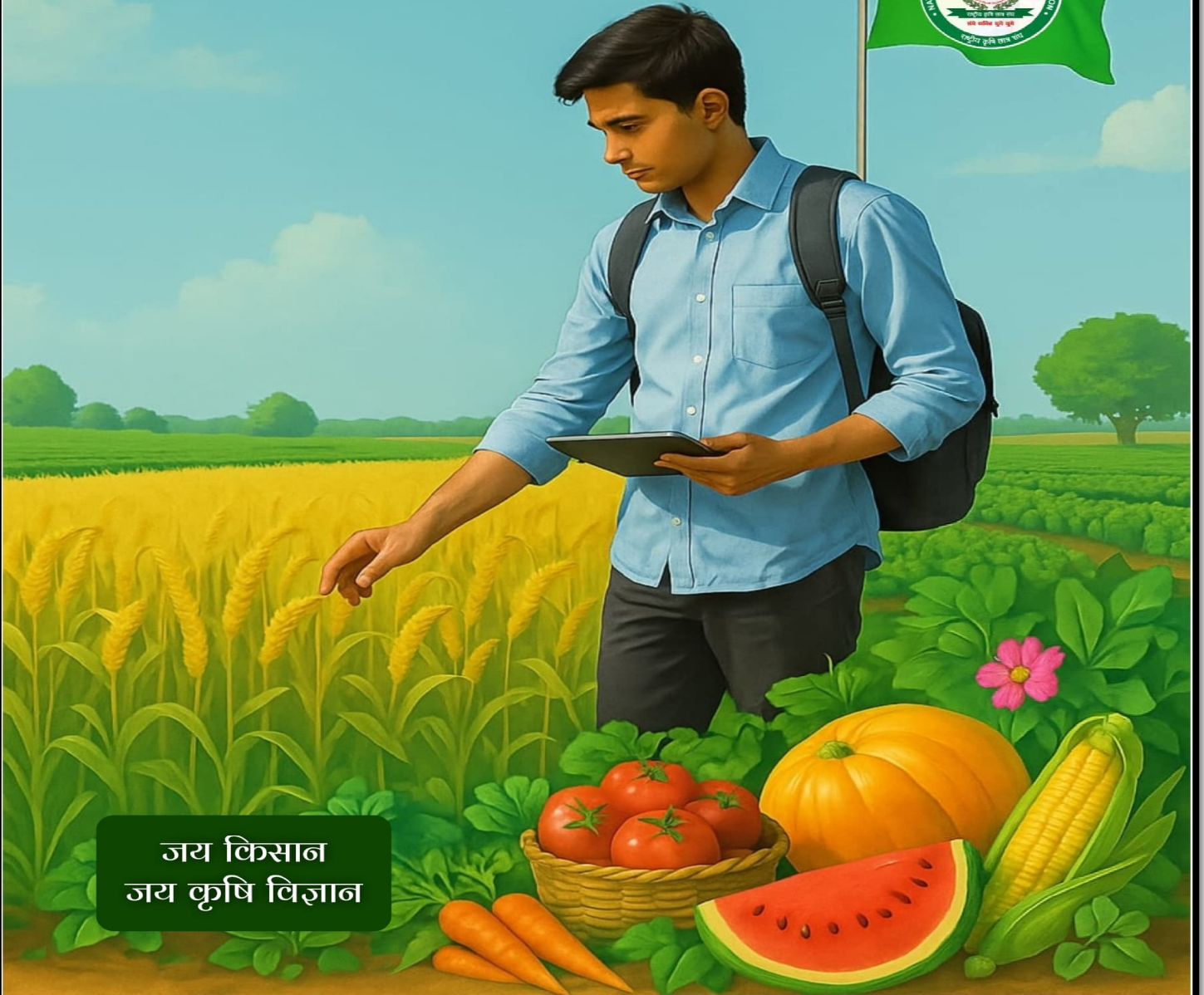


NATIONAL AGRICULTURAL STUDENTS ORGANIZATION

हिंदी मासिक

कृषि पत्रिका

(कृषि छात्रों, किसानों एवं कृषि वैज्ञानिक हेतु समर्पित)



जय किसान
जय कृषि विज्ञान

Contact to us - E-mail: editorinchief@naso.org.in / website: www.naso.org.in

डॉ. भाष्कर दुबे
मुख्य संपादक
editorinchief@naso.org.in

डॉ. अनुराग रजनीकांत तायडे
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कीट विज्ञान विभाग, शुआट्स,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ. अमित कुमार
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि अर्थशास्त्र विभाग, SHUATS,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

अनुग्रह साक्षी
संपादक
editor@naso.org.in
सहायक प्रोफेसर - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग,
शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निखिल तिवारी श्रीदत्त
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - कृषि विस्तार एवं संचार विभाग,
शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

शशांक सिंह
सह-संपादक
coeditor@naso.org.in
टीचिंग एसोसिएट - शस्य विज्ञान विभाग, शुआट्स,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रकाशक –

डॉ. भाष्कर दुबे

पत्रिका का प्रकार - हिंदी, मासिक, कृषि पत्रिका

पंजीकृत पता - अतरौरा मीरपुर, सोनपुरा, प्रतापगढ़ (उ.प्र.)

230124

कार्यालय - गंगोत्री नगर, SHUATS कृषि विश्वविद्यालय, नैनी,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211007

Website – www.naso.org.in

E-mail – editorinchief@naso.org.in

Contact – 9936902749 / 7068708058

काबुली चना RLBGK-1 की भंडारण क्षमता पर बीज गुणवत्ता का मूल्यांकन

लेखक : अभिषेक सिंह

एम.एससी. कृषि (बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

भारत में दलहनी फसलों का विशेष महत्व है, क्योंकि ये मानव आहार में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत हैं। चना देश की प्रमुख दलहनी फसल है, जिसमें देसी चना और काबुली चना दोनों प्रकार शामिल हैं। काबुली चना अपने बड़े दानों, आकर्षक रंग, स्वाद तथा उच्च बाजार मूल्य के कारण किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। काबुली चना की उन्नत किस्म RLBGK-1 उत्पादन क्षमता, दाने की गुणवत्ता तथा बाजार मांग के कारण विशेष पहचान बना रही है।



उत्तम उत्पादन के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अच्छे बीज ही बेहतर अंकुरण, स्वस्थ पौध वृद्धि और अधिक उत्पादन का आधार होते हैं। यदि बीजों का सही भंडारण न किया जाए तो उनकी अंकुरण क्षमता, जीवन शक्ति तथा गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए काबुली चना RLBGK-1 की भंडारण क्षमता पर बीज गुणवत्ता का मूल्यांकन आवश्यक है।

बीज गुणवत्ता का महत्व

बीज गुणवत्ता से आशय बीज की शुद्धता, अंकुरण क्षमता, नमी प्रतिशत, स्वास्थ्य तथा भौतिक स्वरूप से है। उच्च गुणवत्ता वाले बीजों में निम्न गुण पाए जाते हैं—

- अंकुरण प्रतिशत अधिक होता है।
- पौधों की वृद्धि समान एवं तेज होती है।
- रोग एवं कीटों का प्रभाव कम होता है।
- उत्पादन क्षमता अधिक रहती है।
- भंडारण के दौरान बीज लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं।

यदि बीज कमजोर, टूटे हुए, संक्रमित या अधिक नमी वाले हों, तो भंडारण अवधि में जल्दी खराब हो जाते हैं।

भंडारण क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक
काबुली चना RLBGK-1 के बीजों की भंडारण क्षमता कई कारकों पर निर्भर करती है—

1. बीज की प्रारंभिक गुणवत्ता

कटाई के समय पूर्ण विकसित, स्वस्थ एवं साफ बीजों का चयन आवश्यक है। कमजोर बीज जल्दी खराब होते हैं।

2. नमी की मात्रा

बीजों में 8 से 10 प्रतिशत नमी सुरक्षित मानी जाती है। अधिक नमी होने पर फफूंद तथा कीटों का प्रकोप बढ़ता है।

3. तापमान एवं आर्द्रता

भंडारण स्थान ठंडा, सूखा एवं हवादार होना चाहिए। अधिक तापमान बीज की जीवन शक्ति कम करता है।

4. भंडारण पात्र

धातु बिन, प्लास्टिक कंटेनर, पीपी बैग या एयरटाइट डिब्बों में भंडारण करने से सुरक्षा बढ़ती है।

5. कीट एवं रोग प्रबंधन

चना भंडारण में घुन, बीटल एवं फफूंद प्रमुख समस्या हैं। समय-समय पर निरीक्षण आवश्यक है।

RLBGK-1 बीज गुणवत्ता का मूल्यांकन

भंडारण अवधि में बीज गुणवत्ता जांचने हेतु निम्न परीक्षण किए जाते हैं —

अंकुरण परीक्षण

100 बीज लेकर अंकुरण प्रतिशत देखा जाता है। यदि अंकुरण 85 प्रतिशत से अधिक हो तो बीज उत्तम माना जाता है।

जीवन शक्ति परीक्षण

बीजों की ऊर्जा एवं तेजी से अंकुरित होने की क्षमता को मापा जाता है।

नमी परीक्षण

मॉइस्चर मीटर द्वारा नमी की जांच की जाती है।

बीज स्वास्थ्य परीक्षण

फफूंद, रोगजनक जीवाणु या कीट क्षति की जांच की जाती है।

भंडारण अवधि में संभावित परिवर्तन

यदि RLBGK-1 बीजों को सामान्य कमरे के तापमान पर रखा जाए, तो समय के साथ निम्न परिवर्तन देखे जा सकते हैं -

- अंकुरण प्रतिशत में कमी

- बीज का रंग फीका पड़ना
- दानों में कठोरता या सिकुड़न
- कीट क्षति
- वजन में कमी
- पौध उगने की शक्ति में गिरावट

अच्छी गुणवत्ता वाले बीज 8-10 माह तक सुरक्षित रह सकते हैं, जबकि कमजोर बीज 4-6 माह में गुणवत्ता खो सकते हैं।

किसानों के लिए उपयोगी सुझाव

- प्रमाणित एवं स्वस्थ बीज ही भंडारण करें।
- कटाई के बाद बीज अच्छी तरह सुखाकर रखें।
- नमी 8-10 प्रतिशत से अधिक न हो।
- नीम पत्ती, नीम तेल या सुरक्षित भंडारण उपाय अपनाएं।
- एयरटाइट कंटेनर या साफ बोरियों का उपयोग करें।
- हर 30 दिन में भंडारित बीज की जांच करें।
- पुराने और नए बीज अलग रखें।

काबुली चना RLBGK-1 की बेहतर उत्पादन क्षमता का पूरा लाभ तभी मिलता है, जब उसके बीजों की गुणवत्ता अच्छी हो और भंडारण वैज्ञानिक तरीके से किया जाए। उच्च गुणवत्ता वाले बीज अधिक समय तक सुरक्षित रहते हैं तथा अगली फसल में अच्छा अंकुरण और उत्पादन देते हैं। अतः किसान यदि सही नमी स्तर, स्वच्छ भंडारण तथा नियमित निगरानी अपनाएं, तो RLBGK-1 बीजों की भंडारण क्षमता बढ़ाई जा सकती है और आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।